मेरा स्कूल

लड्डू

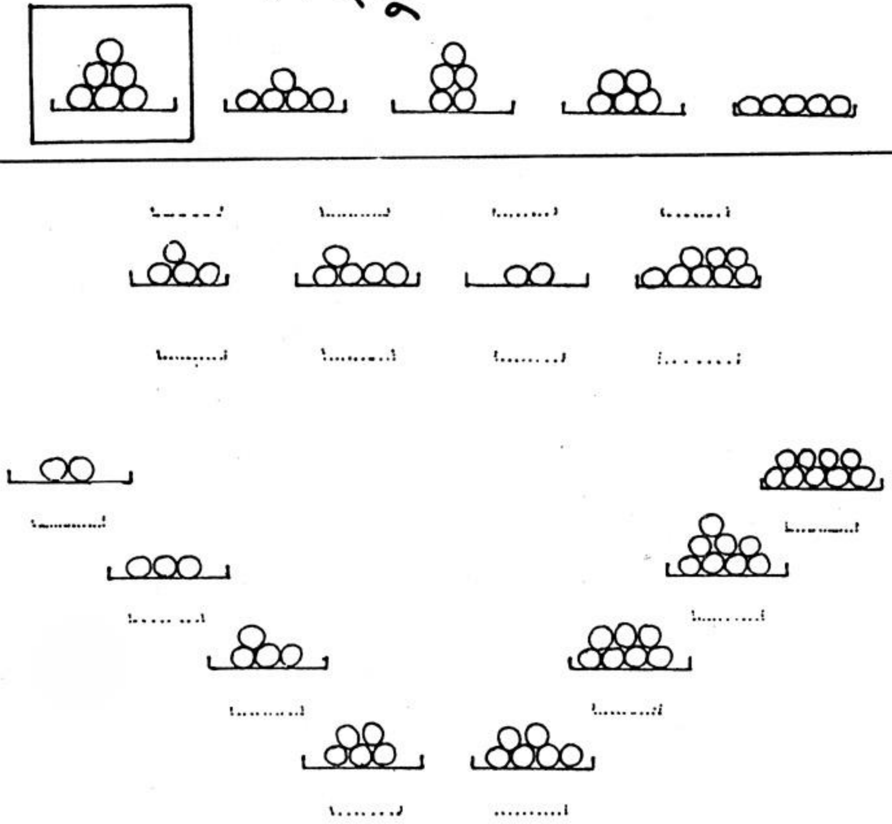

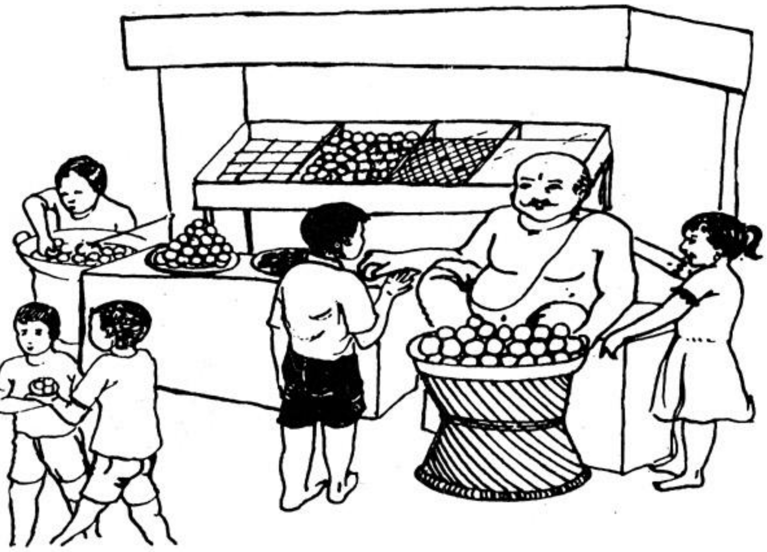

चिड़िया

1

2

3

4

5

सात पूंघ का चूहा

एक था चूहा। उस चूहे की सात पूंघें थीं। सब उसे चिढ़ाते - **सात पूंघ का चूहा, सात पूंघ का चूहा।**

आखिर तंग आकर चूहा गया नाई के पास। उसने नाई से कहा - नाई दादा, मेरी एक पूंघ काट दो। **नाई ने उसकी एक पूंघ काट दी। अब चूहे के पास बचीं छह पूंघें।**

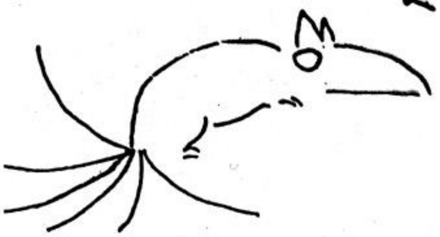

अगले दिन जैसे ही चूहा बाहर निकला सब उसे चिढ़ाने लगे - **छह पूंघ का चूहा, छह पूंघ का चूहा।** चूहा फिर से तंग आ गया। वह गया नाई के पास। उसने कहा - नाई दादा, नाई दादा - मेरी एक पूंघ और काट दो। **नाई ने उसकी एक पूंघ और काट दी। अब चूहे के पास बचीं बस पाँच पूंघें।**

पर अगले दिन सब उसे फिर से चिढ़ाने लगे - **पाँच पूंघ का चूहा, पाँच पूंघ का चूहा।** चूहा गया नाई के पास। नाई दादा, मेरी एक पूंघ और काट दो। **नाई ने उसकी एक पूंघ और काट दी। अब चूहे के पास बचीं बस चार पूंघें।**

पर सब उसे फिर से चिढ़ाने लगे - **चार** पूंछ का चूहा, **चार** पूंछ का चूहा । चूहा गया नाई के पास । नाई ने उसकी एक पूंछ और काट दी । अब चूहे के पास बचीं बस तीन पूंछें ।

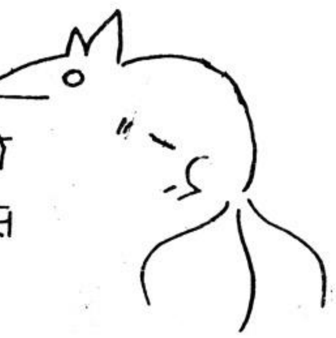

फिर भी सब उसे चिढ़ाते - **तीन** पूंछ का चूहा, **तीन** पूंछ का चूहा । चूहा गया नाई के पास । नाई ने उसकी एक पूंछ और काट दी । अब चूहे के पास बचीं दो ही पूंछें ।

फिर भी सब उसे चिढ़ाते - **दो** पूंछ का चूहा, **दो** पूंछ का चूहा । तो चूहा गया नाई के पास । नाई ने उसकी एक पूंछ और काट दी । अब वह एक पूंछ का चूहा हो गया ।

फिर भी सब उसे चिढ़ाते । **एक** पूंछ का चूहा, **एक** पूंछ का चूहा । तो चूहा गया नाई के पास । नाई ने आखिरी पूंछ भी काट दी । अब चूहे की पूंछ ही नहीं बची ।

लेकिन फिर भी सब उसे चिढ़ाते - **बिना पूंछ का चूहा, बिना पूंछ का चूहा** ।

पेड़

देखो है ये पेड निराला,
पत्ती और फल फूलों वाला,
मैंने इसे है प्यार से पाला,
आमों से ये लदा हुआ है,
तुम भी आ के खाओ लाला।

देखो बाग में कैसी हलचल,
खेल रहे हैं बच्चे चंचल,
तोड़ तोड़ के खाते फल,
माली कहता चल भग चल।

कौन किससे बना

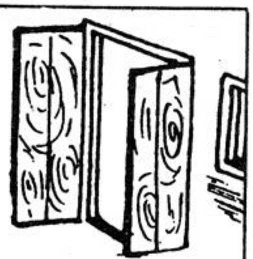
दरवाजा

कैंची

किताब

बल्ब

कड़ाही

गिलास

बेलन

ताला

बोतल

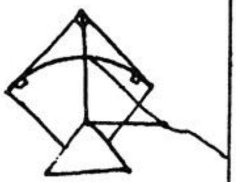
पतंग

फिरकनी

चकला

लकड़ी	लोहा	काँच	कागज़
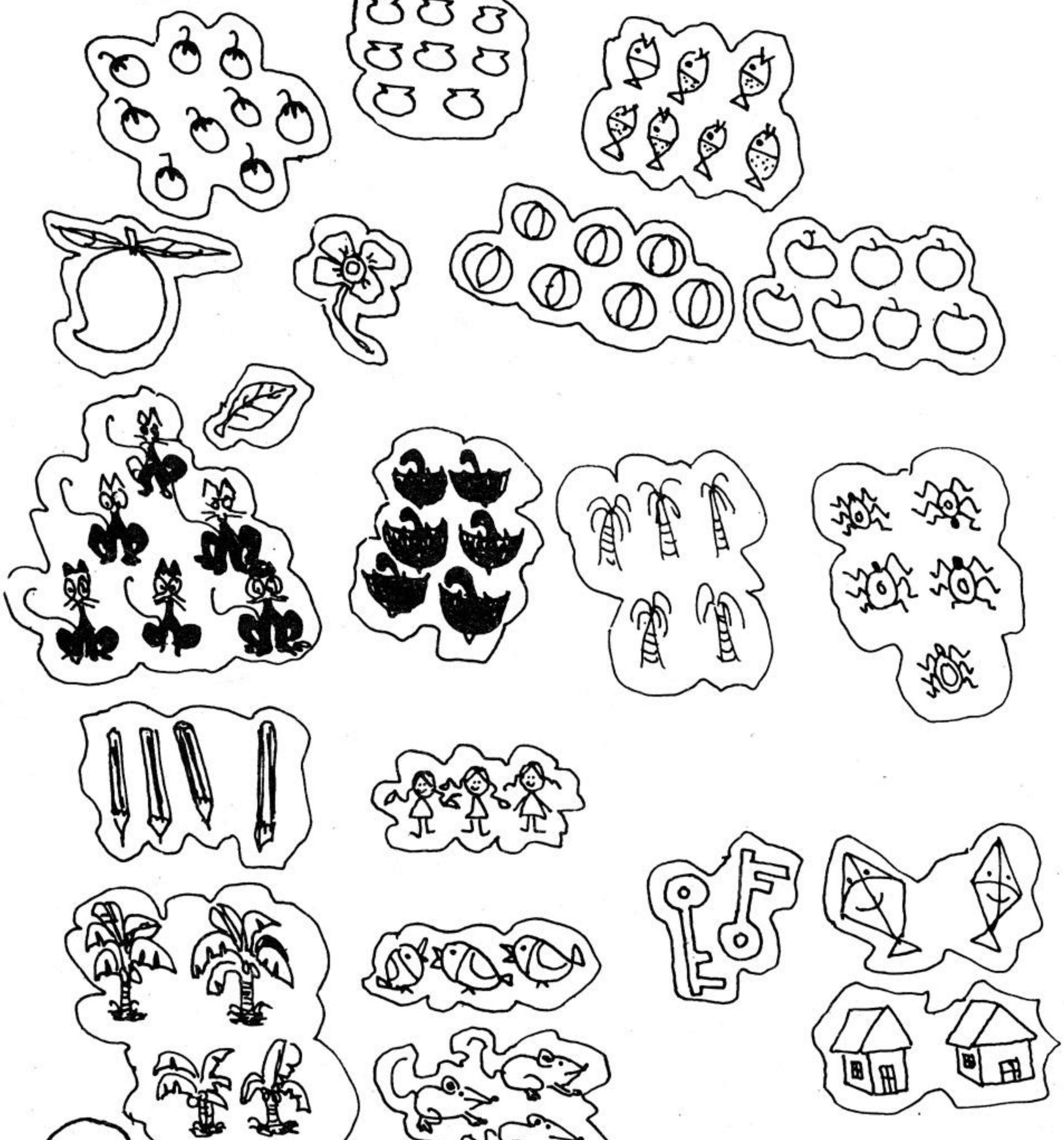
बराबर की टोलियाँ बनाओ